



आरटा का गाजेट The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52। नई दिल्ली, रविवार, दिसम्बर 26, 1927 (पौष 5, 1909)

No 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 26, 1987 (PAUSA 5, 1909)

इस जाग में भिन्न पठ संदर्भ दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विधिक नियायों द्वारा उत्ती की रहे विविह अधिसूचना जिसमें कि भारतेश, दिवापन और सूक्ष्मा सम्बन्धित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिवालन और विकास विभाग

“दि आर्केड”, विश्व व्यापार केन्द्र,

बम्बई-400005, दिनांक 9 दिसम्बर 1987

सं० डी०वी०ग्रो०डी०सं० एफ०ओ०एल०-2034 सी०-
114डी०)-87-भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934
(1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (ग)
के अनुदरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतदद्वारा यह निवेद देता है कि
उक्त अधिनियम की हासरी अनुसूची में तिलितिव्रत परिवर्तन किए
जायेंगे :

“कुंभकोणम् सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड” शब्दों के स्थान पर “सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।

पी.डी.ओँजा, उप-गवर्नर

भारतीय स्टेट बैंक

वस्त्राई, दिनांक 21 दिसम्बर 1987

सूचना

यह सुनिश्चित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य रेसिस्टर तथा दालों रजिस्टर शुक्रवार, 15 जनवरी 1988 से धूखस्तिवार, 21 जनवरी 1988, दोनों दिन शामिल करके, दृष्टिर अन्तरण के लिए बन्द रहेंगे। ताकि भारतीय इरजर्व बैंक डबारा क्षायरिय स्टेट बैंक के शेष रक्षारियों के लिए प्रस्तावित शर्यर पात्रता कर निर्धारण किया जा सके।

पी. वी. सुव्वाराव
उप प्रबन्ध निदेशक
(कार्पोरेट परिचालन एवं संवाद)

स्टेट बैंक आफ व्हावनकोर
भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी
प्रधान कार्यालय : त्रिवेन्द्रम
त्रिवेन्द्रम, दिनांक 24 नवम्बर 1987

सूचना

सं० एम० डी०-42/1188—एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक आफ व्हावनकोर के शेयरधारियों का रजिस्टर शेयरों के अन्तरण के लिए शनिवार दिनांक 23 जनवरी से शनिवार दिनांक 6 फरवरी, 1988 तक (दोनों दिन प्रामिल करके) बन्द रहेगा।

बी० गुप्त, प्रबंधनिदेशक

कारपोरेशन बैंक
प्रधान कार्यालय

मंबलूर,-575001 दिनांक 27 नवम्बर 1987

सं० एच आर ढी /जी /एस आर -36/001/87—
कारपोरेशन बैंक का निदेशक थोर्ड, बैंककारी कम्पनी (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 5) की धारा-19 द्वारा प्रदत्त पारितयों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से कारपोरेशन बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 में संशोधन करके एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- (1) इन विनियमों का चूम कारपोरेशन बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 1987 है।
- (2) शासकीय राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से ये प्रवृत्त होंगे।

3. (क) निम्नलिखित द्वारा विनियम 22 (3) (ii) का प्रतिस्थापन होगा जैसे :

“निवास स्थान की पूँजी लागत का 12 प्रतिशत, जिसके अन्तर्गत भूमि की लागत भी है और यदि निवास स्थान किसी व्यक्ति का भाग है तो उस भूमि की पूँजी लागत का वह आनुपातिक हिस्सा जो उस निवास स्थान का माना जा सकता है, किन्तु इसके अन्तर्गत विशेष फिक्सचर, जैसे वातानुकूलक नहीं है।”

(ख) निम्नलिखित द्वारा विनियम 6, उप-विनियम 2 का प्रतिस्थापन 2 होगा।

“उप विनियम (1) के अधीन आने वाले पदों के प्रबंगी-करण के प्रयोजन के लिए, बैंक की प्रत्येक शाखा सरकार द्वारा अनुमोदित मानदण्डों के अनुसार, बैंक द्वारा छोटे, मध्यम, बड़े, वहत बड़ेया असाधारणतया बड़े प्रबंग के रूप में वर्गीकृत की जाएगी।”

(व) विनियम 19(1) का पहला उपबंध का निम्नानुसार प्रतिस्थापन किया गया है :

“परन्तु बैंक, अपने विवेकानुसार, इसमें इसके पश्चात् उप-विनियम (2) में यथा उपबंधित विशेष समिति/विशेष समितियों के पुनर्विलोकन पर, किसी अधिकारी कर्मचारी को 55 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर या उसके पश्चात् अथवा अधिकारी कर्मचारी के रूप में या अन्यथा 30 वर्ष की कुल सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् किसी समय, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, सेवा निवृत्त कर सकेगा।”

विनियम 19(1) में अनुच्छेद 2 के बाद अनुच्छेद 3 के पहले निम्नलिखित उपबंध सम्मिलित किया जाए :

“परन्तु उप-विनियम (2) में उपबंधित सक्षम प्राधिकारी के आदेश पर दुःखी अधिकारी उस आदेश पास होने के एक महीने के अन्दर सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के खिलाफ निदेशक मंडल को लिखित अभ्यावेदन दे सकता है, और संबंधित अधिकारी से ऐसे अभ्यावेदन की प्राप्ति पर निदेशक मंडल उनके अभ्यावेदन पर विचार कर सकता है और हीन महीने के अन्दर निर्णय ले सकता है। यदि निदेशक मंडल निर्णय लेता है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया आदेश न्यायसंगत नहीं है तो संबंधित अधिकारी की बहाली की जाएगी मानो सक्षम प्राधिकारी ने उक्त आदेश नहीं दिया हो।”

(घ) विनियम 12(2) में उपबंध की शुल्कात में निम्नलिखित शब्दों को जोड़ लें, याने :

“उप-विनियम (3) में दिए गए उपबंध के होते हुए”
उप-विनियम (2) के बाद निम्नलिखित उप-विनियम सम्मिलित किया जाए, याने :

“(3) किसी अधिकारी जिन्होंने उप-विनियम (1) में संदर्भित विकल्प का प्रयोग किया है और बैंक की सेवा में उसके हक के अनुसार नियत विन के पूर्व वेतन और भत्ते लेता रहा है, उप-विनियम (2) के अनुसार 01-02-1984 को और इन विनियमों के अन्तर्गत लागू वेतन और भत्ते के विकल्प के लिए अनुमति दी जा सकती है। ऐसा विकल्प लेने पर, उन्हें नियत दिन कलित रूप से नए वेतनमान में ऐसे रखे जाएंगे जैसे कि विनियम 8 में संदर्भित किया गया है और 31-01-1984 तक उन्हें प्राप्त हो सकने वाले वेतन-वृद्धि देने के घाद, सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांत के अनुसार 01-02-1984 के अनुसार विनियम 4(0); दिए वाए वेतनमान में रखे जाएंगे।

परन्तु यद्यपि लिखितानुसार रखे जाने के बाद इन विनियमों के अन्तर्गत देय वेतन और भत्ते का योग ऐसे रखे जाने के पहले 31-01-1984 के अनुसार उनको देय वेतन और भत्ते के योग से कम है तो वह अन्तर

उसे वैयक्तिक भत्ता दिया जाएगा जो भावी वेतन-वृद्धियों में, ऐसी प्रत्येक वेतन-वृद्धि के $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत या ऐसी वेतन-वृद्धि के परिणामस्वरूप सम्बलम् में हुई वृद्धि $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत में से जो भी कम हो, वहां तक आमेलित कर दिया जाएगा।"

(इ) विनियम 41 (1) में जहां भी अध्यर और अंक "रु० 2,675/-" और "रु० 3,000/-" हैं उनके स्थान पर क्रमशः अध्यर और अंक "रु० 2,650/-" और "रु० 2,925/-" से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(च) विनियम 19 में जहां कहां भी "समिति या "विशेष-समिति" शब्द हैं उसके बाद "समितियाँ" या/ "विशेष-समितियाँ" शब्द जोड़ दिए जाएंगे।

(छ) विनियम 5 में उप-विनियम (1) के अंत में निम्नलिखित उपबंध जोड़ दिया जाएगा :

"परन्तु 1-1-1985 को और से कनिष्ठ प्रबंध वर्ग वेतनमान और मध्यम प्रबंध वर्ग वेतनमान-II और के अधिकारी जो अपने वेतनमान के अधिकतम पर पहुंचने हैं उन्हें अपने संबंधित वेतनमान के अधिकतम तक पहुंचने के बाद पूरे किए गए हर पूर्ण सेवा वर्ष के लिए अन्तिम वेतनवृद्धि के समान गत्यावरोध वेतनवृद्धि दी जाएगी बशर्ते कि ऐसी वेतनवृद्धि कनिष्ठ प्रबंध ग्रेड वेतनमान-I के अधिकारी के लिए अधिकतम दो और मध्यम प्रबंध ग्रेड वेतनमान-II और III के अधिकारी के लिए अधिकतम एक होगी। अपने संबंधित वेतनमान में 5 वर्ष से अधिक की सेवा करने वाले अधिकारियों के मामले में ऐसा पहला गत्यावरोध वेतनवृद्धि देय की तारीख से या 1 जनवरी 1985 से जो भी परवर्ती हो, मंजूर किया जाएगा, लेकिन, ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि उन पात्रों को 1 जनवरी, 1987 के पूर्व नहीं दी जाएगी।"

(ज) विनियम 5 में उप-विनियम (2) के अन्त में निम्नलिखित उपबंध जोड़ दिया जाए :

"परन्तु 1-1-1984 को और से, उन अधिकारियों ने जो अपने अधिकतम वेतनमान पर पहुंच चुके हैं और वे अपने अधिकतम वेतनमान पर एक वर्ष पूरा करते हो उन्हें सी० ए० आई० आई० बी० परीक्षा भाग-I उत्तीर्ण करने के पश्चात् व्यावसायिक अर्हता भत्ता के रूप में प्रति माह रु० 100/- की मंजूरी दी जाएगी, और जब वे अपने अधिकतम वेतनमान पर दो वर्ष पूरा करते हैं और वे सी० ए० आई० आई० आई० बी० के दोनों भाग की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं उन्हें रु० 200/- प्रति माह दिए जाएंगे।"

(झ) विनियम 22(2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :

"22 (2) 01-02-1984 से जहां किसी अधिकारी को बैंक द्वारा निवास स्थान नहीं दिया जाता है वहां

वह अधिकारी ऐसे मकान किराया भत्ते का पात्र होगा जो उसके द्वारा अपने निवास स्थान के लिए संदत वास्तविक किराए की उसके मूल वेतन के 10 प्रतिशत से अधिकता के बराबर की राशि होगी और ऐसी राशि की अधिकतम सीमा निम्नलिखित होगी :

जहां कार्य का स्थान निम्नलिखित में है	भत्ता किराया भत्ता संदेय होगा
(1) ग्रुप "ए" के परियोजना क्षेत्र के केन्द्र और सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनियिष्ट बड़े "ए" श्रेणी के शहर।	मूल वेतन का 17 1/2 प्रतिशत बशर्ते कि रु० 500/- प्रति माह से अधिक न हो।
(2) ग्रुप "बी" के परियोजना क्षेत्र के केन्द्र और क्षेत्र I जो उपर्युक्त मद (1) के अन्तर्गत नहीं आते।	मूल वेतन का 15 प्रतिशत बशर्ते कि रु० 400/- प्रति माह से अधिक न हो।
(3) क्षेत्र-II तथा राज्य की राजधानियाँ तथा संघ-शासित क्षेत्रों की राजधानियाँ जो उपर्युक्त (1) तथा (2) के अन्तर्गत नहीं आते।	मूल वेतन का 12 1/2 प्रतिशत बशर्ते कि रु० 300/- प्रति माह से अधिक न हो।
(4) क्षेत्र-III	मूल वेतन का 10 प्रतिशत बशर्ते कि रु० 250/- प्रति माह से अधिक न हो।
बड़े "ए" श्रेणी के शहर और ग्रुप "ए" परियोजना क्षेत्र केन्द्र	अधिकतम रु० 275/-
क्षेत्र-I के अन्य स्थान और ग्रुप "बी" परियोजना क्षेत्र केन्द्र	अधिकतम रु० 225/-
क्षेत्र-II तथा राज्यों की तथा संघ-शासित क्षेत्रों की राजधानियाँ	अधिकतम रु० 165/-
क्षेत्र-III	रु० 110/- (नियत)

(ञ) निम्नलिखित द्वारा विनियम 23(4) प्रतिस्थापित किया जाएगा :

"23 (4) 1-1-1987 को और से, यदि किसी अधिकारी को शैक्षिक वर्ष के बीच में एउटा स्थान से दूसरे

स्थान को अंतरित किया जाता है और यदि उसकी एक या अधिक संतान पूर्ववर्ती स्थान में विद्यालय या महाविद्यालय में अध्ययन कर रही है तो उस तारीख से वह पश्चात् कथित स्थान पर रिपोर्ट करता है, शैक्षिक वर्ष के अन्त तक, सभी संतानों की बाबत 150 रु० प्रति मास शैक्षिक वर्ष के मध्य अंतरण भत्ता, परन्तु ऐसा भत्ता उस दशा में अन्द हो जाएगा जब सभी संतानें पूर्ववर्ती स्थान पर अध्ययन करना बन्द कर देंगी।”

(ट) विनियम 23(6) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापन किया जाए :

“23 (6) 1-1-1985 को और से, यदि उससे कम से कम 7 दिन की निरत्तर अवधि के लिए किसी कैलेंडर मास के दौरान कुल सात दिन के लिए किसी उच्चतर स्केल में किसी पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है तो उसके बेतन के 10 प्रतिशत के समान स्थानापन्न भत्ता, बारतों कि ₹० 250/- प्रति भाह से अधिक न हो, दिया जाएगा। स्थानापन्न भत्ता भविष्य निधि के प्रयोजनों के लिए बेतन होगा और अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं।

परन्तु यदि कोई अधिकारी मात्र विनियम 6 के अधीन पदों के प्रबर्गकरण के पुनर्विलोकन के परिणाम-स्वरूप उच्चतर देतनमान में स्थानापन्न के रूप में कार्य करता है तो वह उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए स्थानापन्न भत्ते का प्राप्त नहीं होगा, जिस तारीख को प्रबर्गकरण का पुनर्विलोकन प्रभावी होता है।”

(ठ) विनियम 23(x) में, उक्त उपबंध के पहले “को और 1-1-1985 से” शब्द और अक्षर जोड़ दिया जाए और सारणी में “₹० 100/- प्रति माह” शब्द और अक्षर का “₹० 130/- प्रति माह” शब्द और अक्षर से प्रतिस्थापित किया जाए और “₹० 75/- प्रति माह” शब्द और अक्षर का “₹० 100/- प्रति माह” शब्द और अक्षर से प्रतिस्थापित किया जाए।

(ड) विनियम 24(1)(बी) में शर्त (4) के बाद निम्नलिखित शर्त, शर्त (5) के रूप में जोड़ दिया जाए : “24(1)(बी)(5) 1-1-1987 को और से, निम्नलिखित रोग जिनके लिए आवासीय चिकित्सा की जरूरत है जिसे मान्यता प्राप्त अस्पताल के प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाता है उसमें उपगत व्यय, अस्पताल में भर्ती व्यय माने जाएंगे और अधिकारी के मामले में व्यय का 75 प्रतिशत तक और उनके परिवार के सदस्यों के मामले में 50 प्रतिशत तक की प्रतिपूर्ति की जाएगी : कैसर, क्षय रोग, लकवा, हृदय रोग, अबूद, चेचक, फुफ्फुसावरण-शोध, रोहिणी, कोळ, गुर्दा रोग।”

(इ) निम्नलिखित द्वारा विनियम 42(2) (ii) का प्रतिस्थापन किया जाएगा :

“42(2) (ii) 1-1-1987 को और से, यदि किसी अधिकारी जो पुरा बैगन के लिए पानी है रेलवे द्वारा कन्टेनर सर्विस सुविधा का उपयोग करता है तो उसे यदि वह कनिष्ठ या मध्यम प्रबंध ग्रेड में है तो एक कन्टेनर के लिए और यदि वह वरिष्ठ या उच्चतम प्रबंध ग्रेड में है तो उसे दो कन्टेनर के लिए वास्तविक प्रभार की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यदि सामान रेल द्वारा जोड़े गए स्थानों में रोड द्वारा परिवहित किया गया है तो प्रतिपूर्ति माल भाड़ा तक सीमित रहेगी जो बिलों के प्रस्तुतीकरण पर होगी और इसके अधीन होगी कि मालगाड़ी द्वारा अनुज्ञेय अधिकतम मात्रा के व्यय से अधिक न हो। यदि नियुक्ति के पुराने और नए स्थानों में रेलवे स्टेशन या रेलवे आउट एजेंसी नहीं है तो अधिकारी को सामान निकटतम रेलवे स्टेशन या रेलवे आउट एजेंसी तक हुए वास्तविक रोड बाह्य व्यय दिया जाएगा। यदि दोनों जगह रेलवे स्टेशन/आउट एजेंसी नहीं है तो अधिकारी को नियमानुसार वजन तक सामान रोड द्वारा अनुमोदित परिवहन प्रचालक द्वारा परिवहित करने में हुए वास्तविक व्यय दिया जाएगा।”

(ण) निम्नलिखित द्वारा विनियम 42(3) का प्रतिस्थापन किया जाए :

“42(3) 1-1-1987 को और से, बदली एक अधिकारी पैकिंग, स्थानीय बाह्यन, सामान की बीमा लेना, इत्यादि व्यय के लिए नीचे सूचित अनुसार एकमुश्त रकम आहरण करने के लिए पानी है।

ग्रेड	एकमुश्त
उच्चतम प्रबंध और वरिष्ठ प्रबंध	₹० 1500/-
मध्यम प्रबंध और कनिष्ठ प्रबंध	₹० 1000/-

(त) निम्नलिखित द्वारा विनियम 44(ii) का प्रतिस्थापन किया जाए :

“44(ii) 1-1-1987 को और से, जब कोई अधिकारी प्रत्येक चार वर्ष में एक बार छुट्टी यात्रा रियायत लेता है तब उसे एक समय में अधिक से अधिक एक मास की अपनी विशेषाधिकार छुट्टी अध्यर्पित करने और उसके लिए नकद राशि प्राप्त करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी। ऐसी नकद राशि प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत शुरू होने वाले माह के लिए देय सभी परिस्थितियां स्वीकार्य होंगी।

परन्तु एक अधिकारी अपनी पसन्द पर एक अतिरिक्त अंजित छुट्टी की नकद राशि प्राप्त कर सकता है बास्ते

बैंक शाक महाराष्ट्र अधिकारी सेवा विनियमावली 1979
में संशोधन

बोर्ड बैठक—31-7-1987
विनियम 5 में संशोधन

(1) 1-1-1985 को और से विनियम 5 (1) के अन्त में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाए।

“उपबंध है कि कनिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान I और मध्य प्रबंधन श्रेणी वेतनमान II और II के ऐसे अधिकारियों को, जो अपने वेतनमान में अधिकतम तक पहुंच जाएं, उनके संबंधित वेतनमानों में अधिकतम तक पहुंचने के बाद पूरे किए गए हर पांच वर्ष की सर्विस के लिए अन्तिम वेतनवृद्धि के बराबर की गतिरोध वेतनवृद्धियाँ दी जाएंगी, जो कनिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान I के अधिकारियों के लिए दो ऐसी वेतनवृद्धियाँ और मध्य प्रबंधन श्रेणी वेतनमान II और III के अधिकारियों के लिए एक ऐसी वेतनवृद्धि से अधिक नहीं होगी।

ऐसे अधिकारियों के मामले में, जिन्होंने संबंधित वेतनमानों में अधिकतम स्तर पर 5 वर्ष से अधिक की सर्विस पूरी कर ली हो, ऐसी पहली गतिरोध वेतनवृद्धि उस दिनांक से जिससे वह देय हो या 1 जनवरी 1985 से, जो भी बाद में आती हो, दो जाएंगी किन्तु ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि उन्हें दी जाएंगी जो 1 जनवरी 1987 से पूर्व पात्र हों।

(2) 1-2-1984 को और से विनियम 5 (2) के अन्त में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाए :

“उपबंध है कि उन अधिकारियों को, जो अपने वेतनमान में अधिकतम स्तर पर पहुंच चुके हों, वेतनमान के अधिकतम स्तर से एक वर्ष पूरा कर लेने पर सी ए आई बी परीक्षा का भाग I उत्तीर्ण करने के लिए ₹ 100/- प्रतिमाह और नेतनमान के अधिकतम स्तर पर 2 वर्ष पूरे कर लेने पर सी ० ए० आई० बी० परीक्षा के दोनों भाग उत्तीर्ण करने के लिए ₹ 200/- प्रतिमाह का व्यावसायिक अंतर्भुत भत्ता दिया जाएगा।”

बोर्ड बैठक—26-6-1987

विनियम 22(3)(ii) में संशोधन

(1) भूमि की लागत सहित आवास की पूंजीगत लागत का 12 प्रतिशत और यदि आवास किसी बिल्डिंग का हिस्सा हो तो उस अनुपात में भूमि की लागत मापिल होगी, क्षेष जुड़नार, जैसे बातानुकुलित संयंत्र आदि, की लागत छोड़कर।

बोर्ड की बैठक—31-7-1987

विनियम 23 में संशोधन

(1) 1-1-1987 को और से विनियम 23 (4) में उल्लिखित “₹ 100/- प्रतिमाह” शब्द और अंको को ₹ 150/- प्रतिमाह” शब्द और अंको से प्रतिस्थापित किया जाए।

विनियम 23(5) का संशोधन 31-7-1987 से (अर्थात् बोर्ड की बैठक के दिनांक से) लागू है।

(2) “विनियम 23(5)—यदि किसी अधिकारी को बैंक से बाहर कार्य करने हेतु प्रतिनियुक्ति किया जाता है तो वह

प्रतिनियुक्ति के पद से संबंधित परिलक्षियाँ प्राप्त करने का विकल्प दे सकता है। विकल्प के रूप में वह अपने वेतन के अतिरिक्त वेतन के 15 प्रतिशत का प्रतिनियुक्ति भत्ता और ऐसे अन्य भत्ते प्राप्त कर सकते हैं जो उन्हें उस स्थान पर बैंक की सेवा में तैनात होने के बीचारन देय होते।

उपबंध है कि यदि उनकी प्रतिनियुक्ति की संस्था उसी स्थान पर स्थित हो जहाँ वे अपनी प्रतिनियुक्ति से तकाल पूर्व तैनात थे, वहाँ उन्हें अपने वेतन का 7 1/2 के बराबर प्रतिनियुक्ति भत्ता देय होगा। यह भी उपबंध है कि बैंक प्रशिक्षण संस्थान में संकाम सदस्य के रूप में या बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड में प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने वेतन के 7 1/2 प्रतिशत की दर से प्रतिनियुक्ति भत्ता पाने का पात्र होगा।”

(3) 1-1-1985 को और से विनियम 23 (6) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“23 (6) यदि उस उच्चतर वेतनमान की पद पर एक बार में 7 दिन या उससे अधिक की लगातार अवधि के लिए या एक कैलेंडर माह में कुल 7 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करना पड़े तो उसे अपने वेतन के 10 प्रतिशत के बराबर का स्थानापन्न भत्ता दिया जाएगा जो उनकी स्थानापन्न की अवधि हेतु ₹ 250/- प्रतिदिन माह से अधिक नहीं होगा। स्थानापन्न भत्ते का भविष्य निधि के प्रयोगनाम के लिए वेतन माना जाएगा किन्तु अन्य प्रयोगनों के लिए नहीं। उपबंध है कि जहाँ अधिकारी विनियम 6 के अन्तर्गत पदां के वर्गीकरण की पुनरीक्षा के मात्र कारण से उच्चतर वेतनमान से स्थानापन्न रूप से काम करने आते हैं वहाँ वे वर्गीकरण की पुनरीक्षा के प्रभावी होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए स्थानापन्न भत्ता पाने के पात्र नहीं होंगे।”

(4) 1-1-1985 को और जैसे विनियम 23 (10) में दी गई सारणी को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए।

स्थान	दर
औसत समुद्र तल से 1500 मीटर तक और उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित कार्यालय	वेतन का 10 प्रतिशत रु 130/- प्रतिमाह से अधिक न हो।
औसत समुद्र तल से 100 मीटर तक या उससे अधिक किन्तु 1500 मीटर से कम ऊंचाई पर स्थित कार्यालय	वेतन का 8 प्रतिशत जो ₹ 100/- प्रतिमाह से अधिक न हो।

(5) सरकार ने अधिकारी सेवा नियमावली, 1979 के वर्तमान विनियम 23 (11) को हटाने की सूचना दी है। उसे हटा दिया जाए।

बोर्ड बैठक—31-7-1987

विनियम 24 में संशोधन

1-1-1987 को और से विनियम 24(1) (बी) में खण्ड (4) के बाद निम्नलिखित को खण्ड (5) के रूप में जोड़ा जाए।

24(1) (बी) (5) मान्यता प्राप्त अस्पताल प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा प्राधिकारियों द्वारा प्रमाणित निम्नलिखित

बीमारियों, जिनके लिए गृहोपचयी आवश्यक हो, के सबध में व्यवहार किए गए चिकित्सा खर्चों को अस्पतालीकरण खर्च माना जाए और उसकी प्रतिपूर्ति अधिकारी के मामले में 75 प्रतिशत और उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 55 प्रतिशत तक की ज्ञाए। केंद्र, ट्यूबर, क्यूलशिस्म, पैगलिस्म, कार्डिएक एलमेंट, ट्यूमर, माल पाकम, प्लीथूरसी, डिप्टीरिया, लेप्रोमी, किङ्गनी एलमेंट”।

विनियम 42 में मंशोधन

(1) 1-1-1987 को या से विनियम 42(2)(ii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए—

42(2)(ii) यदि पूर्ण वैगत के लिए पास्त कोई अधिकारी रेलवे की “कंटेनर सुविधा” सुविधा का लाभ उठाता है तो उसे कमिष्ट या संघ प्रबंधन श्रेणी में होने पर एक कंटेनर और वरिष्ठ प्रा उच्च प्रबंधन श्रेणी में होने पर एक कंटेनर और वरिष्ठ प्रा उच्च प्रबंधन श्रेणी में होने पर एक कंटेनर के बास्तविक प्रभारों की प्रतिपूर्ति वीज जाएगी। यदि रेल से जुड़े स्थानों के बीच सड़क से मामान की ढुलाई की गई हो तो बिल प्रस्तुत करने पर बास्तविक भाड़ा प्रभारों की प्रतिपूर्ति की जाएगी जो माल गाड़ी द्वारा ले जायी जाने वाली सामान अधिकतम अनुमेय मात्रा की ढुलाई की लागत से अधिक नहीं होगी। यदि तैनाती के पुनर्जागरण तारीख स्थान पर कोई रेलवे स्टेशन या रेलवे आउट एंजेंसी न हो तो अधिकारी को निकट-तम रेलवे स्टेशन या आउट एंजेंसी तक सड़क द्वारा सामान की ढुलाई करने की बास्तविक लागत का भुगतान किया जाएगा। यदि वोनों स्थानों पर रेलवे आउट एंजेंसी न हो तो अधिकारी को किसी अनुमोदित परिवहन परिवालक द्वारा निर्धारित वजन तक सड़क से सामान की ढुलाई करने की बास्तविक लागत का भुगतान किया जाएगा।

(2) 1-1-1987 को और से विनियम 42(3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“42(3) कोई भी अधिकारी स्थानातरण होने पर पैकिंग, स्टॉनीय साल ढुलाई, सामान का बीमा आदि के दर्जे से संबंधित निम्नलिखित रकम एकमुद्दत पाने के पात्र होंगे।

श्रेणी	एकमुद्दत रकम
उच्च प्रबंधन और वरिष्ठ प्रबंधन	रु 1500/-
मध्य प्रबंधन और कमिष्ट प्रबंधन	रु 1000/-

कर्मचारी राज्य बीमा नियम

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1987

सं. एन०-15/ 13/ 5/ 1/ 87-गो० एवं वि० (2)--- कर्मचारी राज्य बीमा (मामान्य) विनियम 1950 वे; विनियम 95-के साथ पठिन् कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में नहानिदेशक ने 1-12-1987 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-के तथा गुजरात कर्मचारी

राज्य बीमा नियम 1963 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाम गुजरात राज्य के निम्नलिखित ध्रुवों में वीमानिक व्यक्तियों के परिवारों पर लाग किए जाएंगे।

अर्थात्

“जिला पंचमहन में भालुक हलौल के राजव श्राव दुनिया, मगांभर और प्रतापपुर के अन्तर्गत आने वाले ध्रुवों

हर भजन सिंह,
निदेशक (धोजना एवं विवाह)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1987

सं० यू०-16/53/87-चि० 2(राजस्थान)---कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को नियम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा नियम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या-1024 (जी०) दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोधपुर (राजस्थान) को विद्यमान मानकों के अनुसार (उपचिकित्सा, आयक्त (उत्तरी-पश्चिमी-जी०) द्वारा सम्बद्ध किए गए बीमाकृत व्यक्ति की संछपानस्मान) देय पानिश्रमिक पर कार्यान्वयन करने की तिथि से या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशों के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तक, इनमें से जो भी पहले हो, जोधपुर (राजस्थान) केन्द्र के बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता में संदेह होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के सभ में कार्य करने की लिए प्राधिकृत करता हूं।

डॉ वेद प्रकाश,
चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1987

सं० यू०-16/(53)/86-चि०-2 (महाराष्ट्र)--- कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को नियम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा नियम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 2024(जी०) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारी/अधिकारियों को मानकों के अनुसार देय प्रानिश्रमिक परिवर्तन के सामने उल्लिखित श्रेवायिकार और अवधि के अन्दर, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशों के

कार्यशृंखला करने तक, चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है।

क्र०	नाम/पदनाम	दिन	कार्यविधि
सं०			
1.	डा० वी० ए० देशपाणे	गोलापुर अंबेव	1-10-1986 से 30-9-1988 तक
2.	डा० एस० आर० कन्दिकर	चालीस- गांव	15-4-1987 से 14-4-1988 तक
3.	डा० (श्रीमति) आ० पी० रीगे	नामिक	1-10-1986 से 30-9-1988 तक

डा० के० एम० सक्सेना,
चिकित्सा आयुक्त

मंत्रालय मंत्रालय

डाक विभाग

नई फ़िल्मी 110001, दिनांक 9 दिसंबर 1987

सूचना

सं० 25-47/87-एल० आई० —विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन वीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन वीमा, कलकत्ता को वीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS
AND DEVELOPMENT

“THE ARCADE”, WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400005, the 9th December 1987

DBOD, No. Fol.2034/C.114(D)-87.—In pursuance of clause (C) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve Bank of India hereby directs that the following alteration shall be made in the second schedule to the said Act, namely.

For the Words ‘The Kumbakonam City Union Bank Ltd.’ the words ‘City Union Bank Ltd.’ shall be substituted.

P. D. OJHA,
Dy. Governor

STATE BANK OF INDIA

Bombay, the 21st December 1987

NOTICE

Notice is hereby given that Principal Register and the Branch Registers of the State Bank of India will be closed for

सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी	दिनांक	वीमाकर्ताओं	राशि
सं०	संख्या		का नाम	(रुपए)
1.	225768-सी	13-11-87	श्री एस० वी० वाष्पमरे	रु 25,000/-

सं० 25-20/87-एल० आई० —विभाग की अभिरक्षा से गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन वीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन वीमा निगम, कलकत्ता को वीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को चेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी	दिनांक	वीमाकर्ताओं	राशि
सं०	संख्या		का नाम	
1.	392620-पी०	6-10-74	श्रीमति एच० एच० जोशी	5,000/- रु

ज्योत्सना धीश
निदेशक (पी एच आई)

transfer of shares from Friday, 15th January, 1988 to Thursday, 21st January, 1988, both days inclusive, for the purpose of determining the shareholder's entitlement to shares of State Bank of India, being offered by Reserve Bank of India.

P. V. SUBBA RAO,
Dy. Managing Director
(Corporate Operations and Services)

STATE BANK OF TRAVANCORE

(ASSOCIATE OF THE STATE BANK OF INDIA
HEAD OFFICE

Trivandrum, the 24th November 1987

NOTICE

No. MD.42/1188.—NOTICE is hereby given that the Register of shareholders of State Bank of Travancore will remain closed for transfer of shares from Saturday the 23rd January to Saturday the 6th February 1988 (both days inclusive).

B. GUPTA,
Managing Director

CORPORATION BANK

HEAD OFFICE

Mangalore-575001, the 27th November 1987

No. HRD/G/SR-36/001/87.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (5 of 1980), the Board of Directors of Corporation Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Corporation Bank (Officers) Service Regulations, 1982.

2. *Short title and commencement :*

(1) These regulations may be called the Corporation Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. (a) Regulation 22(3)(ii) shall be substituted by the following namely :

"12% of the capital cost of the accommodation including the cost of land if the accommodation is part or a building, the proportionate share of the capital cost of the land attributable to that accommodation, excluding the cost of special fixtures, like air-conditioners."

(b) Regulation 6, Sub-Regulation 2 shall be substituted by the following :

"For the purpose of categorisation of posts under sub-regulation (1), every branch of the Bank shall be classified by the Bank, in accordance with the criteria to be approved by the Government, as Small, Medium, Large, Very Large or Exceptionally Large category."

(c) The first proviso of Regulation 19(1) has been substituted as follows :

"Provided that the Bank may, at its discretion, on review by the Special Committee/Special Committees as provided hereinafter in sub-regulation (2) retire an officer employee on or at any time after the completion of 55 years of age or on or at any time after the completion of 30 years of total service as an officer employee or otherwise, whichever is earlier."

In Regulation 19(1) after para 2 before para 3, the following proviso shall be inserted, namely :

"Provided further that an officer aggrieved by the order of the Competent Authority as provided in Sub-Regulation (2), may, within one month of the passing of the order, give in writing a representation to the Board of Directors against the decision of the Competent Authority, and on receipt of such representation from the concerned Officer, the Board of Directors shall consider his representation and take a decision within a period of three months. Where the Board of Directors decides that the order passed by the Competent Authority is not justified, the concerned Officer shall be reinstated as though the Competent Authority has not passed the order."

(d) In Regulation 12(2) at the beginning of the proviso the following words shall be added, namely :

"Save as provided in sub-regulation (3)".

After the sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :

"(3) Any officer who has exercised option referred to in sub-regulation (1) and continues to draw pay

and allowances according to his entitlement in the service of the Bank immediately prior to the appointed date, in terms of sub-regulation (2) shall be allowed to opt for pay and allowances as applicable under these regulations on and from 1-2-1984. On exercising such option, he will be fitted notionally on the appointed date into the new scale of pay in the manner referred to in Regulation 8 and after granting him the increments he would have received in terms of these regulations upto 31-1-1984, he shall be fitted in the scale of pay set out in Regulation 4(1) as on 1-2-1984 in accordance with the guidelines of the Government issued thereunder.

Provided that if the aggregate of pay and allowances payable under these regulations to the officer after fitment as above is lower than the aggregate of pay and allowances that were payable to him as on 31-1-1984 before such fitment, the difference shall be paid to him as a personal allowance which shall be absorbed in the future increments to the extent of 33-1/3 percent of each such increment or 33-1/3 percent of the increase in the salary as a consequence of such increment, whichever is lower."

(e) In Regulation 41(1) for the words and figures "Rs. 2,675/-" and "Rs. 3,000/-", the words and figures "Rs. 2,650/- and Rs. 2,925/-" shall be substituted respectively wherever appearing therein.

(f) In Regulation 19, the word "/Committees" or "/Special Committees" shall be added after the word "Committee" or "Special Committee" wherever appearing in the said Regulation.

(g) In Regulation 5, the following proviso shall be added at the end of sub-regulation (1) :

"Provided that on and from 1-1-1985, those officers in Junior Management Grade Scale I and Middle Management Grade Scale II and III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for Officers in Junior Management Grade Scale I and one such increment for officers in Middle Management Grade Scale II and III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January 1987".

(h) In Regulation 5, at the end of sub-regulation (2) the following proviso shall be added :

"Provided that on and from 1-2-1984, those officers who have reached the maximum of their pay scale professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part I of C.A.I.I.B. Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of C.A.I.I.B. Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay".

(i) Regulation 22(2) shall be substituted by the following :

"22(2) On and from 1-2-1984, where an officer is not provided with residential accommodation by the Bank, he shall be eligible for House Rent Allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale

of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :—

WHERE THE PLACE OF WORK IS IN	H.R.A. PAYABLE SHALL BE
(i) Major 'A' Class Cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'	17½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m.
(ii) Area I not covered by item (i) above and Project Area Centres in Group 'B'	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m.
(iii) Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above	12½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.
(iv) Area III	10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 200/- p.m.

NOTE :—House Rent Allowance as above shall be paid on production of rent receipts, except that an officer may claim House Rent Allowance on certificate basis at the above rates subject to maximum as under :

Major 'A' Class Cities and Project
Area Centres in Group 'A' Maximum Rs. 275/-

Other places in Area I and Project
Area Centres in Group 'B' Maximum Rs. 225/-

Area II and State Capitals and
Capitals of Union Territories Maximum Rs. 165/-

Area III Rs. 110/- (fixed)"

(j) Regulation 23(iv) shall be substituted by the following :

"23(iv) On and from 1-1-1987, if an officer is transferred from one place to another in the midst of an academic year and if he has one or more children studying in school or college; in the former place, a mid academic year transfer allowance of Rs. 150/- p.m. from the date he reports to the latter place upto the end of the academic year in respect of all the children, provided that such allowance shall cease if all the children cease studying at the former place."

(k) Regulation 23(vi) shall be substituted by the following :

"23(vi) On and from 1-1-1985, if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purpose of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6 he shall not be eligible for the Officiating Allowance, for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect".

(l) In Regulation 23(x), the words and figures "On and from 1-1-1985" shall be added before the proviso

and in the table, the words and figures "Rs. 130/- p.m." shall be substituted for the words and figures "Rs. 100/- p.m." and the words and figures "Rs. 100/- p.m." shall be substituted for the words and figures "Rs. 75/- p.m."

(m) In Regulation 24(1)(b), the following clause shall be added as clause (v) after clause (iv) :

"24(1)(b)(v) On and from 1-1-1987, Medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members :

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small pox, Pleurisy, Diphteria, Leprosy, Kidney Ailment."

(n) The Regulation 42(2)(ii) shall be substituted by the following :

"42(2)(ii) On and from 1-1-1987, if an officer eligible for full wagon avails of the facility of Container Service by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is in Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road up to the nearest railway station or railway out-agency. If both the places do not have railway station/out-agency, the officer will be paid actual cost of transporting the baggage by road up to the stipulated weights by an approved transport operator".

(o) Regulation 42(3) shall be substituted by the following :

"42(3) On and from 1-1-1987, an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc.

GRADE	LUMP SUM
Top Management and Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

(p) Regulation 44(ii) shall be substituted by the following :

"44(ii) On and from 1-1-1987 once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional Privilege Leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund".

For Corporation Bank
Sd/-, ILLEGIBLE
Deputy General Manager
Human Resources Deptt.

**BANK OF MAHARASHTRA
PLANNING & PERSONNEL DEPARTMENT**

Pune-411005, the 7th December 1987

In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Bank of Maharashtra in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Bank of Maharashtra (Officers') Service Regulations, 1979.

2. Short Title and Commencement :—

- (1) These Regulations may be called the Bank of Maharashtra (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their adoption by the Board of Directors of Bank of Maharashtra.

3. Details of the amendments to be indicated—

(As per list enclosed).

**V. B. GANDHI
General Manager
Planning & Personnel**

AMENDMENTS TO BANK OF MAHARASHTRA OFFICERS' SERVICE REGULATIONS 1979

BOARD MEETING 26-6-1987

Amendment to Regulation 22 :

The Regulation No. 22(3)(ii) be substituted by the following :—

- (ii) 12% of the capital cost of the accommodation including the cost of and if the accommodation is part of a building, the proportionate share of the capital cost of the land attributable to that accommodation, excluding the cost of special fixtures like air conditioners.

BOARD MEETING 31-7-1987

Amendment to Regulation 5 :

- (i) On and from 1-1-85, at the end of Regulation 5(1), the following proviso be added :

"Provided that those officers in Junior Management Grade Scale I and Middle Management Grade Scales II & III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for Officers in Junior Management Grade Scale I and one such increment for officers in Middle Management Grade Scales II & III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January, 1987."

- (ii) On and from 1-2-84, at the end of Regulation 5(2) the following proviso be added :

"Provided that those officers who have reached the maximum of their pay scales, professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part I of CAIIB examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of CAIIB Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay."

Amendment to Regulation 22 :

On and from 1-2-84, Regulation 22(2), be substituted by the following :

- 22(2) Where an officer is not provided with residential accommodation by the bank, he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :

Where the place of work is in HRA payable shall be

(i) Major 'A' Class Cities specified as such from time to time by the Board, in accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'.	17½ % of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m.
(ii) Area I not covered by Item (i) above and Project Area Centres in Group 'B'	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m.
(iii) Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii), above.	12½ % of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.
(iv) Area III	10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 250/- p.m.

Note :—House Rent Allowance as above shall be paid on production of rent receipts, except that an officer may claim house rent allowance on certificate basis at the above rates subject to maximum as under :

Major 'A' Class Cities and Project Area Centres in Group 'A'.	Maximum Rs. 275/-
Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'.	Maximum Rs. 225/-
Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories.	Maximum Rs. 165/-
Area III	Rs. 110/- (fixed)

Amendment to Regulation 23 :

- (i) On and from 1-1-87, in Regulation 23(iv), the words and figures "Rs. 100/- p.m." appearing therein be substituted by the words and figures "Rs. 150/- p.m."

The amendment of Regulation 23(v) is effective from 31-7-1987 (i.e. from Board meeting).

- (ii) "Regulation 23(v)—If an officer is deputed to serve outside the Bank, he may opt to receive the emoluments attached to the post to which he is deputed. Alternative, he may, in addition to his pay, draw a deputation allowance of 15% of pay and such other allowance as he would have drawn had he been posted in the Bank's service at that place.

Provided that where he is deputed to an Organization which is located at the same place where he was posted immediately prior to his deputation he shall receive a deputation allowance equal to 7% of his pay.

Provided further that an officer on deputation to the training establishment of the bank as a faculty member or to BSRB shall be eligible for deputation allowance @ 7% of his pay."

(iii) On and from 1-1-85, Regulation 23(vi) be substituted by the following :

"23(vi) If he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of provident fund and not for other purposes."

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect."

(iv) On and from 1-1-85, in Regulation 23(x), the Table given therein be substituted by the following :

TABLE

Places	Rates
Offices at altitudes of and over 1500 meters above-Mean Sea Level.	10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/- p.m.
Offices at altitudes of and over 1000 meters but below 1500 meters above-Mean Sea Level.	8% of pay subject to a maximum of Rs. 100/- p.m.

(v) Further the Government has advised to delete the existing Regulation 23(xi) of Officers' Service Regulations, 1979. The same be deleted.

Amendment to Regulation 24 :

On and from 1-1-87, in Regulation 24(1)(b), add the following as clause (v) after clause (iv) :—

"24(1)(b)(v) Medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members :

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment"

Amendment to Regulation 42 :

(i) On and from 1-1-87, Regulation 42(2)(ii) be substituted by the following :

"42(2)(ii) If an officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is in Senior

or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road upto the nearest railway station or railway out-agency. If both the places do not have railway station/out agency, the officer will be paid actual cost of transportation the baggage by road upto the stipulated weights by an approved transport operator :"

(ii) On and from 1-1-87, Regulation 42(3), be substituted by the following :

"42(3) An officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage etc.

Grade	Lump sum
Top Management and Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

Amendment to Regulation 44 :

On and from 1-1-87, Regulation 44(ii), be substituted by the following :

"44(ii) Once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund."

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 2nd December 1987

No. N-15/13/5/1/87-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-12-87 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Gujarat Employees' State Insurance (Medical Benefit)

Rules, 1963, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Gujarat namely :—

"The areas comprising of the Revenue villages Duniya, Magasar and Pratappura in Taluk Halol District Panchmahal".

HARBHAJAN SINGH,
Director (Plg. & Dev.).

New Delhi, the 17th November 1987

No. U-16/53/84-Med.II(Raj.) :— In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's order No. 1024(G) dt. 23-5-1983, I hereby authorise the C.M.O. and Health Officer, Jodhpur (Raj.) in place of the Principal, Medical College, Jodhpur to function as Medical Authority with effect from the date of assumption of charge till one year or till a Full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Jodhpur Centre, at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons and the area to be allocated by the Dy. Medical Commissioner (North-West Zones) Ahmedabad for the purpose of Medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

DR. VED PRAKASH
Medical Practitioner

New Delhi, the 30th November 1987

No. U-16/53/86-Med.II(Mah.)—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise the following doctors to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms, for the period indicated against each, or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for respective areas for the purpose of medical examination of the insured

persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

Sl. No.	Name of Doctor	Centre	Period
1.	Dr. V. A. Deshpande	Sholapur Area	(with effect from 1-10-86 to 30-9-1988).
2.	Dr. S.R. Karnalkar	Chalisgaon Area.	(with effect from 15-4-87 to 14-4-1988).
3.	Dr. (Mrs.) R.P. Rege	Nasik	(with effect from 1-10-86 to 30-9-1988).

DR. K. M. SAXENA
Medical Commissioner

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(DEPARTMENT OF POSTS)
New Delhi-110 001, the 9th December 1987

NOTICE

No. 25-20/87-LI.—P.L.I. Policy particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policy in favour of the insurant. The public are hereby cautioned against dealing with the original policy :

S. No.	Policy No. & Date.	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	392620-P, dtd. 6-10-74	Smt. H. H. Joshi	5,000/-

No. 25-47/87-LI.—P.L.I. Policy particularised below having been lost from the Department custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policy in favour of the insurant. The public are hereby cautioned against dealing with the original policy :

S. No.	Policy No. & Date.	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	225768-C, dtd. 13-11-78	Sh. S.D. Waghmare	25,000/-

JYOTSNA DESH
Director (PLI)

PUNJAB WAKF BOARD
AMBALA CANTT, THE 8TH DECEMBER 1987

No. 45/Genl/Pub/Gazette/461/87—In exercise of the powers conferred under section 27 of the Wakf Act, 1954 which is exercisable by me under the delegated powers by the Administrator, Punjab Wakf Board under section 22 of the Wakf Act, 1954 published in the Government of India Gazette Part III, Section 4 dated 10-9-1982 on page No. 2890 at serial No. 4, the following properties are hereby declared as Shia Wakf/Sunni Wakf.

Sr. No.	Name of Wakf	District	Village	Khāsra No.	Area	Value in Rs.	Nature & object of Wakf.	How the Wakf administered	Remarks	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.	Mosque Asif Ali	Faridabad Palwal	Pingore H. B. No. 134	80/18/1 8/2 13	K. M. 5—12 4—00 8—00 17—12	1,10,000/-	Religious	Through Secretary Punjab Wakf Board as ex-officio Mutwalli.	Shia Wakf	
2.	Imam Bara Iqbal Hussain	Do.	Do.	80/2 3 8/1 9	7—11 8—00 4—00 8—00 27—11	1,72,212/50	Do.	Do.	Do.	
3.	Do.	Do.	Do.	10/10 11 11/16 14 15	8—00 8—00 8—00 8—00 40—00	2,50,000/-	Do.	Do.	Do.	
4.	Masjid Imam Bara Bakar Ali Shah	Do.	Do.	95/7 Min 14 Min 15 Min	0—10 6—00 3—00 9—40	59,357/-	Do.	Do.	Do.	
5.	Do.	Do.	Do.	94/10 95/6 7 Min 14 Min 15 Min 16 17 24 25 100/5 6 101/10/2	7—15 8—00 7—10 2—00 5—00 8—00 8—00 8—00 8—00 8—00 1—18 80—03	5,00,937/50	Do.	Do.	Do.	

6.	Do.	Do.	Do.	58/2/1	2—08	15,025/-	Do.	Do.	Do.
7.	Do.	Do.	Do.	100/24	7—09	9,85,312/50	Do.	Do.	Do.
				25/1	5—18				
				25/2	0—12				
				101/11/1	0—15				
				11/2	6—05				
				12	8—00				
				19	8—00				
				20	7—08				
				21	8—00				
				22	8—00				
				106/1	8—00				
				2	8—00				
				3	8—00				
				8	8—00				
				9	8—00				
				10	8—00				
				11/1	0—13				
				107/4	8—00				
				5/1	5—05				
				5/2	1—15				
				6/2	4—02				
				6/1	2—18				
				7	8—00				
				14	8—00				
				15/1	2—18				
				15/2	4—02				
				17/1	3—13				
						157—13			
8.	Do.	Do.	Do.	100/16	7—12	47,500/-	Do.	Do.	Do.
9.	Do.	Do.	Do.	100/17/1	2—00	62,500/-	Do.	Do.	Do.
				15	8—00				
						10—00			
10.	Do.	Do.	Do.	47/15/1	4—16	1,98,437/50	Do.	Do.	Do.
				15/2	3—04				
				16	8—00				
				25/1	7—15				
				48/11	8—00				
						31—15			
11.	Do.	Do.	Do.	47/5/2	4—10	1,77,500/-	Do.	Do.	Do.
				6	8—00				
				48/19 Min	2—00				
				12	8—00				
				13	5—18				
						28—08			

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
12.	Masjid Imam Bara Bakar Ali Shah.	Faridabad Palwal	Pingore H. B. No. 134	48/18 19 Min 20 21 22 23	3—18 6—00 8—00 8—00 8—00 1—18	2,23,750/-	Religious	Through Secretary Punjab Wakf Board as ex-officio Mutwalli	Shia Wakf
					35—16				
13.	Do.	Do.	Do.	94/11 20 21/1	6—12 5—08 4—05	1,01,562/50	Do.	Do.	Do.
					16—05				
14.	Do.	Do.	Do.	101/1/1	3—02	19,375/-	Do	Do.	Do.
15.	Imam Bara Ishtiaq Hussain, 3, Shares Mosque Dargah Wali 1 share, Karbala Pingore Wali 1 share	Do.	Do.	14/16 15/21	8—00 8—00	1,00,000/-	Do.	Do.	Do.
					16—00				
16.	Do.	Do.	Do.	24/18/2 19 20/1 21/4 22 23/1	9—03 8—00 6—00 3—18 7—09 4—10	2,43,750/-	Do.	Do.	Do.
					39—00				
17.	Do.	Do.	Do.	14/25	8—00	50,000/-	Do.	Do.	Do.
18.	Do.	Do.	Do.	15/20	8—00	50,000/-	Do.	Do.	Do.
19.	Do.	Do.	Do.	25/7 8	7—09 7—03	91,350/-	Do.	Do.	Do.
					14—12				
20.	Do.	Do.	Do.	24/9 11 12 13/1 15/19/2/1 22/1	8—00 7—11 8—00 6—03 2—08 5—05	2,33,437/50	Do.	Do.	Do.
					37—07				

21.	Do.	Do.	Do.	25/4/2	5—07	33,437/50	Do.	Do.	Do.
22.	Do.	Do.	Do.	24/1 2/1 8/2/2 10 25/5 6	8—00 8—03 3—03 8—00 8—00 7—09	2,67,188/-	Do.	Do.	Do.
						<u>42—15</u>			
23.	Graveyard	Do.	Alawalpur H. B. No. 62	76/8/2 9/1	1—17 1—13	24,875/-	Do.	Do.	Do.
					<u>10—03</u>				
24.	Do.	Paridabad Fathin	Gharroot H. Bo. No.	180	1—10	9,375/-	Do.	Do.	Do.
25.	Do.	Paridabad Palwal	Palwal	413	1—02	13,750/-	Lc.	Do.	Do.
26.	Do.	Do.	Do.	1933	0—18	11,250/-	Do.	Do.	Do.
27.	Do.	Do.	Pingore H. No. B. 134	67/17/2 77/11/1 115/2 116 117 118 119 120	3—17 1—07 87—04 4—09 4—19 5—06 7—12 12—03	7,92,612/50	Do.	Do.	Do.
					<u>126—17</u>				
28.	Mosque & Shops	Amritsar	Bazar Sandukan, Amritsar	MC No. 1313/2 to 1319/2	72 Sqr. Yds. East Private property 31'—6"	40,000/-	Do.	Do.	Do.
					West Bazar 39'—3"				
					North Private Property 16'—00"				
					South Gali 20'—6"				

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
29.	Graveyard	Amritsar Ajnala	Bhittewar	Kh. No. 150	K 15—15 M	25,500/-	Religious	Through Secretary Punjab Wakf Board as ex-officio Mutwalli	Sunni Wakf
30.	Graveyard & Khangah	Hoshiarpur Hoshiarpur	Machrial	Kh. No. 82 83	4—08 12—15 17—03	65,000/-	Do.	Do.	Do.
31.	Graveyard	Jalandhar Nakodar	Meham H. B. No. 41	Kh. No. 190/2	0—12	1,200/-	Do.	Do.	Do.

The above items are Masjid, Imam Bara, Karbala, Graveyard & Khangah as per Jamabandi of villages noted above are declared as Shia Wakf/Sunni Wakf shown in Jamabandi.

K. SHEIKH AHMED,
Secretary.